NS – 083

III Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, November/December 2016
(CBCS) (Fresher)
(2016 – 17 & Onwards)
LANGUAGE HINDI – III
Natak, Arthgrahan, Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्यांश में लिखिए। **(1×10=10)**

   1) 'युगे युगे क्रान्ति' नाटक के रचनाकार कौन हैं ?

   2) जैनेट का कौन सा दूसरा नाम रखा जाने की चर्चा की जाती है ?

   3) अनिरुद्ध किससे शादी करना चाहता था ?

   4) प्रदीप की माता का नाम क्या है ?

   5) किसने विधवा से विवाह करने की प्रतिज्ञा ली थी ?

   6) कौन संयुक्त परिवार में नहीं रहना चाहता था ?

   7) ज्योत्सना किसे पत्र लिखती है ?

   8) कल्याणसिंह ने किसे आर्य समाज में जाने की इजाजत दी थी ?

   9) सुगनचन्द की बेटी कौन है ?

   10) पाँचवा व्यक्ति किस युग का प्रतिनिधित्व करता है ?

2. किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

   1) यह 'लेकिन' शब्द बुढ़ापे की ही निशानी है शंका और दुर्बलता इसी के दूसरे नाम है, हम दुर्बल हो गए हैं हमें सहारे की आवश्यकता है नियम और बन्धन उसी सहारे के दूसरे नाम है ।

   2) स्त्री सदा स्त्री है। पीड़ियाँ उसके स्वभाव में परिवर्तन नहीं कर सकती। हमारे पुरखे मूर्ख नहीं थे लाखों वर्षों के अनुभव के बाद उन्होंने विवाह संस्कार को स्वीकार किया।

   3) यह चक्र कभी नहीं रुकता । जो आज क्रान्ति करने का दावा करते हैं कल वे ही प्रतिक्रियावादी हो जाते हैं। इतिहास बार-बार अपने को दोहराता है। वे समझते हैं उन्होंने समय को पकड़ लिया है।

3. 'युगे युगे क्रान्ति' नाटक का सारांश लिखते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 16

अथवा

'युगे युगे क्रान्ति' नाटक में आये नारी पात्रों का वर्णन करते हुए नाटक के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

4. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (2×5=10)

1) विमल।

2) सूत्रधार।

3) प्यारेलाल।

5. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

हमारे विद्यार्थी जीवन में शिक्षा के तीन साधन रहते हैं। पाठ्यक्रम की पुस्तकें, गुरु का उपदेश और सहकारी अध्ययन। पाठ्य पुस्तकों को हमें परीक्षा पास करने की दृष्टि से नहीं वरन तत्वदर्शन् की दृष्टि से पढ़ना चाहिए। अध्ययन के साथ मनन भी आवश्यक है। मनन से ही ज्ञान परिपक्व होता है। मनन को गुनन भी कहते हैं। पठित ज्ञान को व्यवहार में लाना और अवसर एंव उपाय सोचना ही मनन है। ज्ञान को उपयोगी बनाना प्रत्येक विद्यार्थी का कर्तव्य है। विद्यार्थियों के ज्ञान में निश्चयता और यथार्थता आना अत्यंत आवश्यक है। भाषा ज्ञान की सार्थकता शब्दों के अर्थ–के ज्ञान में है। भाषा अभिव्यक्ति का साधन है। माध्यम है और यथार्थ अभिव्यक्ति बिना प्रयोग के नहीं आती।

पढ़ना–लिखना युग्म शब्द हैं। लेखन व्यर्थ भाषण सा न हो । लेखन में अध्ययन और मनन की आधारशिलाएँ होनी चाहिए।

1) विद्यार्थी जीवन में शिक्षा के कितने साधन हैं ?

2) पाठ्य पुस्तकों को किस दृष्टि से पढ़ना चाहिए ?

3) अध्ययन के साथ क्या आवश्यक है ?

4) मनन से क्या परिपक्व होता है ?

5) मनन को और क्या कहते हैं ?

6) किसे उपयोगी बनाना प्रत्येक विद्यार्थी के कर्तव्य है ?

7) विद्यार्थियों के जीवन में क्या आना आवश्यक है ?

8) भाषा ज्ञान की सार्थकता किसमें है ?

9) अभिव्यक्ति का साधन क्या है ?

10) पढ़ना-लिखना कौन से शब्द हैं ?

6. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए संक्षिप्तिकरण कीजिए। **10**

हमारे देश में जो हाल-हाल तक गुलाम बना रहा, नागरिक स्वतंत्रता का मूल्य समझना ज़रा कठिन है। अभी हमारे देश की जनता का ध्यान रोटी, कपड़ा, मकान और रोज़गार की ओर गया है। प्राय: लोग यह कहते सुनायी देते हैं कि हमें इससे मतलब नहीं कि इस देश में किसका शासन है। जनतंत्र है या तानाशाही। हमें तो रोटी चाहिए, रोजगार चाहिए, दवा चाहिए। इन आवश्यकताओं को कोई भी पूरा कर दे। जनता की यह मानसिक स्थिति ठीक नहीं। यदि जनता की सूझ-बूझ ऐसी ही रही तो फिर स्वतंत्रता जो असीम बलिदान देकर प्राप्त की गयी है। मिट जायेगी।